16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेनाओं ने मुक्ति वाहिनी के लड़ाकों के साथ मिलकर पाकिस्तान के साथ युद्ध किया था। 13 दिन चले युद्ध के बाद 98 हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था।

विजय दिवस : 1971 के शहीदों को श्रद्धांजलि, हेलीकॉप्टरों से फूलों की बारिश

जागरण संवाददाता, कोलकाता

1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर मिली ऐतिहासिक जीत की याद में 48वें विजय दिवस के मौके पर सोमवार को कोलकाता में पूर्वी कमान मुख्यालय फोर्ट विलियम में स्थित विजय स्मारक पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में पूर्वी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान सहित अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने विजय स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को याद किया। इनके अलावा पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल शंकर राय चौधरी, पूर्व वायुसेना अध्यक्ष अरुप राहा, पूर्वी वायुसेना कमान के प्रमुख एयर मार्शल आरडी माथुर सहित अन्य हस्तियों और 1971 के युद्ध में हिस्सा लेने वाले जांबाजों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। विजय दिवस समारोह में भाग लेने बांग्लादेश से आए मुक्ति योद्धाओं व सैन्य अधिकारियों समेत 71 सदस्यीय प्रतिनिधिदल की अगुआई कर रहे वहां के सांसद शाहजहां खान ने भी पुष्प चक्र अर्पित किया। इस मौके पर सेना के तीन हेलीकॉप्टरों से विजय स्मारक पर पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान पूर्वी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल चौहान ने वीर योद्धाओं को सलामी देने के साथ उनके योगदानों को याद किया। उन्होंने घोषणा की कि अब विजय स्मारक प्रत्येक रविवार और सरकारी छुट्टियों के दिन आम जनता के लिए खुला रहेगा ताकि वे हमारे वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दे सकें।

इसलिए मनाते हैं विजय दिवस : हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1971 में इसी दिन पाकिस्तान के साथ युद्ध में भारत को ऐतिहासिक जीत मिली थी, जब 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद पूर्वी पाकिस्तान आजाद हो गया और बांग्लादेश के रूप में एक नए राष्ट्र का उदय हुआ था।

विजय दिवस समारोह संपन्न : विजय स्मारक पर 1971 के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ पूर्वी कमान की ओर से आयोजित चार दिवसीय विजय दिवस समारोह संपन्न हो गया। हर साल सेना की ओर से कोलकाता में यह समारोह धूमधाम से आयोजित किया जाता है। समारोह के दौरान सेना के जांबाजों ने हैरतअंगेज प्रदर्शन कर अपनी शौर्य व ताकत का परिचय दिया। आरसीटीसी ग्राउंड में आयोजित मिलिट्री टैटू में लगातार दो दिन 14 व 15 दिसंबर को हेलीकॉप्टर शो, घोड़ा दौड़, डॉग शो, मार्च पास्ट, मोटरसाइकिल करतब आदि का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया गया।

विजय दिवस के अवसर पर सोमवार को कोलकाता में पूर्वी कमान मुख्यालय फोर्ट विलियम में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल शंकर राय चौधरी (दाएं), लेफ्टिनेंट जनरल जेएस शर्मा (मध्य में) और वायुसेना के पूर्व प्रमुख अरुप राहा (बाएं) ने विजय स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर 1971 के शहीदों को याद किया। प्रेट्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ट्वीट किया, 'विजय दिवस पर मैं शहीदों के साहस व वीरता को श्रद्धांजलि देता हूं। आज के दिन बहादुर सैनिकों ने जो इतिहास रचा था, वह इतिहास में हमेशा स्वर्णाक्षरों में दर्ज रहेगा।' रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस को याद किया। भारतीय सैनिकों ने वर्ष 1971 में पाकिस्तानी सेना को घुटने पर ला दिया था। इस जीत ने बांग्लादेश के गठन का रास्ता तैयार किया था। उन्होंने ट्वीट किया, 'इस अवसर पर राष्ट्र भारतीय सेनाओं के अदम्य साहस व वीरता को सलाम करता है। हमें अपने देश की सेनाओं पर गर्व है, जिन्होंने हर परिस्थिति में हमारी रक्षा की है। हम उनकी सेवा व बलिदान को नहीं भुला सकते।' केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने भी लिखा, 'पूरा देश शहीदों को सलाम करा रहा है और मैं इसमें शामिल हूं। मैं 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को नमन करती हूं।'

नरेंद्र मोदी। फाइल

बांग्लादेश में 'सारे जहां से अच्छा' की धुन सुनकर खड़े हो गए लोग

ढाका, प्रेट्र : पाकिस्तान से आजादी के उपलक्ष्य में बांग्लादेश ने सोमवार को अपना 49वां विजय दिवस मनाया। परेड के दौरान बांग्लादेश की सेना ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। पहली बार इस परेड में भारतीय सेना के बैंड ने भी हिस्सा लिया। 'सारे जहां से अच्छा' की धुन पर जब भारतीय बैंड कदमताल कर रहा था तो दर्शक दीर्घा का उत्साह देखते ही बन रहा था। परेड के दौरान 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान भारत की भूमिका के बारे में भी बताया जा रहा था। दर्शक दीर्घा में एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चोपड़ा के साथ 20 एनसीसी कैडेटों का दल भी मौजूद था। बांग्लादेश के राष्ट्रपति एम अब्दुल हमीद ने परेड की सलामी ली और परेड कमांडर मेजर जनरल मोहम्मद अकबर हुसैन के साथ खुली जीप में सवार होकर सुरक्षा स्थितियों की समीक्षा की। इस दौरान प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ-साथ मंत्री और विभिन्न देशों के राजनयिक भी मौजूद थे। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त रीवा गांगुली दास भी मेहमानों में शामिल थीं। वर्ष 1971 के पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान का हिस्सा था जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहते थे। पाक से युद्ध के लिए मुक्ति वाहिनी का गठन किया गया था।

राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ शस्त्र संशोधन बिल बना कानून

नई दिल्ली, आइएएनएस : नए शस्त्र (संशोधन) अधिनियम को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की मंजूरी मिलते ही यह कानून बन गया है। छह दशक पुराने कानून के संशोधन बिल को इसी सप्ताह संसद में पारित किया गया था। नया कानून देश में अवैध हथियारों और गोली-बारूद की रोकथाम में सरकार के लिए मददगार साबित होगा चूंकि अब इसमें अधिकतम सजा उम्रकैद होगी।

छह दशक पुराने शस्त्र कानून, 1959 को अवैध हथियारों की तस्करी रोकने में प्रभावी बनाने के लिए इसमें अवैध हथियारों के निर्माण, बिक्री, इस्तेमाल, हस्तांतरण, बदलाव, हथियारों की बिना लाइसेंस टेस्टिंग या प्रूफिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लग गया है। नए कानून में सजा भी कड़ी कर दी गई है। अब सजा जुर्माने समेत सात साल कैद से लेकर उम्रकैद तक हो सकती है। जबकि पहले यह सजा जुर्माने के साथ तीन साल से सात साल तक कैद की ही हो सकती थी। राष्ट्रपति कोविंद ने विगत शनिवार को उस अधिनियम पर दस्तखत कर दिए जिसके तहत शस्त्र लाइसेंस की अवधि तीन साल से बढ़ाकर पांच साल कर दी गई है। साथ ही इलेक्ट्रानिक फार्म के जरिए शस्त्र लाइसेंस जारी करने का प्रविधान किया गया है। इसकी प्रक्रिया में बदलाव का कारण अपराधों में इस्तेमाल हो रहे अवैध हथियारों का संजाल खत्म करना है।

पहाड़ों से चली हवाओं ने मैदान को ठिठुराया

मौसम के तेवर ▶ जम्मू-कश्मीर में निकली धूप लेकिन राहत नहीं, शीतलहर की चपेट में दिल्ली, टूटा 16 साल का रिकॉर्ड

लद्दाख के द्रास में माइनस 27 .2 रहा न्यूनतम तापमान

जेएनएन, नई दिल्ली

कई दिनों की बर्फबारी के बाद निकली धूप भी पहाड़ों को कोई राहत नहीं दे सकी, बल्कि वहां से चली बर्फीली हवाओं ने मैदान को ठिठुरा दिया है। राजधानी दिल्ली शीतलहर की चपेट में है। सोमवार को यहां पहली बार पाला पड़ने के साथ ही दिसंबर में सर्दी का 16 साल का रिकॉर्ड टूट गया। तापमान में यह गिरावट अभी जारी रहेगी।

सोमवार सुबह करीब 11 बजे तक फुहारें पड़ने का अहसास होता रहा। दिल्ली का अधिकतम तापमान महज 12.9 डिग्री सेल्सियस पर सिमट गया। यह सामान्य से दस डिग्री कम है। इससे पहले 25 दिसंबर 2003 को अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। ऑलटाइम रिकॉर्ड 28 दिसंबर 1973 का है, जबकि अधिकतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद 28 दिसंबर 1997 को अधिकतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस रहा। सोमवार को न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है। आलम यह रहा कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान में अंतर महज 2.7 डिग्री सेल्सियस का रह गया। हवा में नमी का स्तर 88 से 100 फीसद दर्ज किया गया। दिनभर धूप के दीदार नहीं हुए।

स्काईमेट वेदर के अनुसार जम्मू कश्मीर के पास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के आगे निकल जाने के बाद अब उत्तर पश्चिमी ठंडी हवा उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में चलने लगी हैं। दिल्ली एनसीआर में 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं। वहीं दिल्ली समेत पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान में घने कोहरे की शुरुआत भी हो चुकी है। सोमवार को भी दिल्ली और एनसीआर में मध्यम कोहरा छाया रहा। इस साल ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है, जब पंजाब से लेकर हरियाणा, उत्तरी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के उत्तरी इलाकों और दिल्ली सहित उत्तर भारत के सभी मैदानी इलाकों में धुंध बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार शीतलहर के इस प्रकोप से अगले दो दिनों तक राजधानी को राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। 21 और 22 दिसंबर को हल्की बारिश के आसार हैं।

जम्मू-कश्मीर, लेह और उत्तराखंड में कई दिनों की बर्फबारी के कारण बंद पड़े कुछ मार्गों को खोला गया है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में मुसीबत कम नहीं हो रही। हिमपात के कारण करीब 260 सड़कें बंद हैं। तीन दिन बाद सोमवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बहाल किया गया। श्रीनगर-लेह राजमार्ग और पुंछ से कश्मीर को जोड़ने वाले मुगल रोड अभी भी बंद है। माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा के साथ बैटरी कार सेवा और पैसेंजर केबल कारसेवा सुचारु रही। उत्तराखंड में मौसम साफ होने के कारण सड़कों को खोलने के काम में तेजी आई है। सोमवार को 17 और सड़कों पर यातायात बहाल कर दिया गया, लेकिन अब भी बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री और पिथौरागढ़ में थल-मुनस्यारी समेत 18 संपर्क मार्गों पर आवाजाही ठप है। प्रदेश के पांच शहरों में न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस से कम रहा।

रेल व हवाई यातायात पर असर : कोहरे की वजह से रेल व हवाई यातायात पर असर पड़ने लगा है। सोमवार को चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कुल्लू को जाने वाली फ्लाइट खराब मौसम के कारण रद कर दी गई हैं। दिल्ली में राजधानी सहित कई ट्रेनें देरी से पहुंची। कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव करना पड़ा। मध्य फरवरी तक 23 जोड़ी ट्रेनें पहले ही निरस्त कर दी गई हैं।

विभिन्न शहरों में तापमान

शहर	न्यूनतम तापमान
द्रास	-27.2
श्रीनगर	-1.8
मसूरी	02.8
मुक्तेश्वर	0.8
हिसार	9.1
कोलकाता	18

नोट- तापमान डिग्री सेल्सियस में हैं।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में सोमवार को माल रोड पर जमी बर्फ पर फिसलन से बचने के लिए संभलकर चलते पर्यटक। जागरण

मप्र में 'ऑपरेशन क्लीन', घर ऑफिस बंद कर भागे माफिया

नईदुनिया, इंदौर

▶ इंदौर से फरार अश्विन मेहता, चिराग शाह व महिपाल का लुक आउट सर्कुलर जारी

मध्य प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों के माफिया के खिलाफ शुरू किए गए 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत इंदौर पुलिस ने जमीन की धोखाधड़ी और अड़ीबाजी में शामिल माफिया की चौतरफा घेराबंदी कर दी है। देश छोड़ने की आशंका को देखते हुए फरार कॉलोनाइजर अश्विन चंद्रसिंह मेहता, चिराग उर्फ चीकू शाह और केबल माफिया महिपाल रावत के विरद्ध लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया है। इनके घर व ऑफिसों पर ताला लगा है, उन्हें फरार घोषित कर गिरफ्तारी वारंट भी जारी कराया जा रहा है।

एसपी (इंदौर पूर्व) मोहम्मद यूसुफ कुरैशी के मुताबिक 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत गत दिनों 11 मामले दर्ज किए गए। इनमें जमीन की धोखाधड़ी, अड़ीबाजी, अवैध कब्जे जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। भूमाफिया बब्बू उर्फ सुल्तान, हेमंत यादव और शिवनारायण अग्रवाल को तो पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन कुख्यात चिराग शाह, अश्विन मेहता, चंपू अजमेरा, छब्बू उर्फ साबिर, गैंगस्टर सतीश भाऊ और केबल माफिया महिपाल रावत फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित विदेश भाग सकते हैं, इसलिए उनके विरुद्ध लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया। यह सर्कुलर जारी होने पर किसी भी आरोपित के लिए देश छोड़ना आसान नहीं होता। कई माफिया तो घर और ऑफिस बंद कर परिवार सहित गायब हो गए। कई राजनेताओं से संपर्क कर बचने की कोशिश में जुटे हैं।

'संतोषी माता' घोटाले में अश्विन, चिराग पर केस : इंदौर की तुकोगंज थाना पुलिस ने भूमाफिया अश्विन और चिराग के खिलाफ कैलोद हाला स्थित संतोषी माता गृह निर्माण सहकारी संस्था जमीन घोटाले में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, संस्था के पदाधिकारी आनंदीलाल जैन, योगेश रत्नावत, राजेंद्र सोनी ने कॉलोनी लाइसेंस प्राप्त नहीं किया, विकास अनुमति भी नहीं ली और भूमि उपयोग परिवर्तन भी नहीं कराया। धारा 10 (4) के तहत कलेक्टर से अनुमति नहीं ली। आरोपितों ने अवैध निर्माण किया। महंगे दामों पर भूखंड बेच अवैध लाभ अर्जित किया। आरोपितों द्वारा हेराफेरी के आशय से फर्जी अनुबंध किए गए।

एक हाथ में एके-47 और दूसरे में दवाओं का थैला

रीतेश पांडेय, जगदलपुर

दंतेवाड़ा एसपी व जगदलपुर एसडीओपी हैं डॉक्टर, नक्सल प्रभावित इलाकों में ग्रामीणों का करते हैं इलाज

छत्तीसगढ़ के बस्तर में तैनात दो युवा अधिकारी एक हाथ में एके-47 और दूसरे में दवाओं के थैला लेकर मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। दरअसल, नक्सल फ्रंट पर काम कर रहे दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव और बस्तर के सब डिविजनल पुलिस ऑफीसर(एसडीओपी)डॉ. यूलंडन यार्क अपनी मेडिकल शिक्षा का इस्तेमाल ग्रामीणों की सेहत दुरुस्त में भी कर रहे हैं।

डॉ. पल्लव दंतेवाड़ा में नशामुक्ति अभियान चला रहे हैं। पुलिस जवानों समेत तीन हजार युवाओं को नशा से मुक्ति दिला चुके हैं। इसके साथ ही वह पुलिस के जवानों समेत ग्रामीणों के लिए करीब 100 स्वास्थ्य शिविर लगाकर करीब 10 हजार लोगों का उपचार कर चुके हैं। दूसरी तरफ डॉ. यूलंडन दरभा ब्लॉक के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तलाशी अभियान के दौरान दवाओं का थैला साथ लेकर चलते हैं। वह जवानों के साथ ही ग्रामीणों का भी उपचार करते हैं।

सरकारी बंगला बना डिस्पेंसरी : डॉ. अभिषेक पल्लव 2013 बैच के आइपीएस हैं। उन्होंने दिल्ली में एमबीबीएस किया। बाद में मनोरोग में एमडी की डिग्री हासिल की। उसके बाद यूपीएससी परीक्षा पास कर आइपीएस बने। उनकी दो साल पूर्व दंतेवाड़ा में नियुक्ति हुई। डॉ. पल्लव ने देखा कि अधिकतर जवान कड़ी ड्यूटी और पारिवारिक तनाव से ग्रस्त होकर शराब के व्यसनी हैं। उन्होंने पुलिस लाइन में जवानों के लिए कैंप शुरू किया। मानसिक रूप से परेशान जवानों की वे नियमित काउंसिलिंग करते हैं। वर्तमान में उनका सरकारी बंगला डिस्पेंसरी की शक्ल अख्तियार कर चुका है। सुदूर गांवों में मेडिकल कैंप लगाकर वे न केवल मानसिक उपचार करते हैं, बल्कि सामान्य रोगों की दवाएं भी ग्रामीणों को मुहैया करवाते हैं।

पल्लव को पत्नी का भी मिलता है साथ : पल्लव की पत्नी डॉ. यशा पल्लव चर्म रोग विशेषज्ञ हैं। वे भी उनकी मुहिम में योगदान देती हैं। साथ ही जिला अस्पताल में उपचार करती हैं।

यूलंडन की डॉक्टर साहब के नाम से हो गई पहचान : 2014 बैच के छत्तीसगढ़ पुलिस सेवा (सीपीएस) के अधिकारी डॉ. यूलंडन यार्क दरभा इलाके में एसडीओपी हैं। ग्रामीणों के बीच डॉक्टर साहब के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने बिलासपुर से एमबीबीएस की डिग्री ली है। इसके बाद वे पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा उत्तीर्ण कर सीपीएस बने। ढाई साल पहले उनकी नियुक्ति बस्तर में हुई। नक्सल प्रभावित क्षेत्र दरभा में तैनाती के दौरान उन्होंने देखा कि ग्रामीणों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, तब उन्होंने ग्रामीणों का इलाज करने की ठानी। वे जवानों के साथ तलाशी अभियान के दौरान एके- 47 के साथ दवाओं का थैला साथ लेकर चलते हैं। दरभा ब्लॉक मलेरिया के चलते संवेदनशील माना जाता है। वह सुदूर गांवों भडरीमऊ, कोलेंग, चांदामेटा, बिसपुर आदि में बुखार व अन्य सामान्य रोगों के मरीजों को आवश्यकतानुसार दवाएं प्रदान करते हैं। वहीं गंभीर मामलों को जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था करते हैं।

ग्राम चोलनार में शिविर लगाकर ग्रामीणों का इलाज करते दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव (मध्य में)। नईदुनिया

बस्तर के सब डिविजनल पुलिस ऑफीसर(एसडीओपी) डॉ. यूलंडन यार्क (वर्दी में) शिविर लगाकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए। नईदुनिया

गांधी परिवार पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर जेल पहुंचीं पायल रोहतगी

जागरण संवाददाता, जयपुर

▶ फिल्म अभिनेत्री को राजस्थान पुलिस ने किया है गिरफ्तार, 24 तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

▶ मोतीलाल से लेकर जवाहरलाल नेहरू और गांधी परिवार पर की थी टिप्पणी

पंडित मोतीलाल नेहरू, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और गांधी परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने के मामले में फिल्म अभिनेत्री पायल रोहतगी को 24 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। राजस्थान की बूंदी पुलिस ने उनको रविवार को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया था।

रोहतगी को सोमवार सुबह पुलिस बूंदी लेकर पहुंची और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) कोर्ट में पेश किया। वरिष्ठ अधिवक्ता भूपेंद्र सक्सेना ने पायल रोहतगी की ओर से कोर्ट में पैरवी की। सक्सेना मंगलवार को उनकी जमानत याचिका पेश करेंगे।

गौरतलब है कि रोहतगी ने गत 21 सितंबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और गांधी-नेहरू परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट की थी। दो अक्टूबर को बूंदी निवासी कांग्रेस कार्यकर्ता चर्मेश शर्मा ने पायल रोहतगी के खिलाफ आइटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता की धारा 504, 505 (2) के तहत बूंदी सदर पुलिस थाने में शिकायत दी थी। पुलिस ने 10 अक्टूबर को मामला दर्ज किया था। उक्त धाराओं में दो साल की सजा या फिर जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है।

पायल ने नहीं दिया था नोटिस का जवाब : 26 नवंबर को बूंदी पुलिस ने पायल रोहतगी के अहमदाबाद स्थित आवास पर नोटिस भेजकर जवाब मांगा था। पुलिस ने ईमेल भी किया था। इसके बाद 11 दिसंबर को पुलिस के नोटिस पर पायल रोहतगी का एक और वीडियो सामने आया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को ट्वीट कर पुलिस में मामला दर्ज कराने वाले चर्मेश शर्मा से बचाने की गुहार लगाई थी। 12 दिसंबर को पायल रोहतगी के वकील ने बूंदी जिला एवं सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन 13 दिसंबर को उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं हुई और कोर्ट ने सोमवार (16 दिसंबर) की तारीख दी। इसी बीच शनिवार शाम को बूंदी पुलिस की टीम पायल रोहतगी को हिरासत में लेने के लिए मुंबई गई तो उनके अहमदाबाद होने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस की टीम रविवार सुबह अहमदाबाद पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर सोमवार सुबह बूंदी पहुंची।

एसपी ने कहा-आरोप प्रमाणित : बूंदी पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बताया कि जांच में पायल रोहतगी के खिलाफ आरोप प्रमाणित हुए हैं। पुलिस ने उन्हें कई बार नोटिस भेजकर जवाब मांगा, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। रविवार को उनको अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया।

पायल रोहतगी फाइल फोटो

थोड़ा इंतजार

करपात्री महाराज की तपोस्थली धर्म संघ परिसर में दिया जा रहा आकार, अनूठे देवालय संकुल में द्वादश ज्योतिर्लिंग सहित विराजेंगे पंचदेव

काशी को मिलने जा रहा भव्य-दिव्य श्रीराम मंदिर

प्रमोद यादव, वाराणसी

अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य-दिव्य मंदिर तो अभी कुछ इंतजार कराएगा, लेकिन देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी में इसका स्वरूप जल्द ही निखर कर सामने आएगा। करपात्री महाराज की तपोस्थली धर्म संघ परिसर में यह आकार पा रहा है। धर्म सम्राट के हाथों आठ दशक पहले स्थापित श्रीराम दरबार की झांकी सहेजे मंदिर को देवालय संकुल का रूप दिया जा रहा है। नए साल में 28 फरवरी को प्राण प्रतिष्ठा कर इसे श्रद्धालुओं को समर्पित कर दिया जाएगा।

खास यह कि लगभग 43 हजार वर्ग फीट में विस्तारित देवालय बनारसी मिजाज की तरह रामस्य ईश्वरः या रामः यस्य ईश्वरः (रामेश्वर) के अर्थ जाल से दूर खड़ा शैव-वैष्णव एका की नजीर की तरह नजर आएगा। इसमें सियाराम के साथ ही शिव-राम तो शक्ति और पंचदेव का भी दर्शन एक साथ हो जाएगा।

राम दरबार के ठीक सामने विशाल मंडप के मध्य पांच फीट आकार में शिवलिंग तो दोनों ओर 151 नर्मदेश्वर शिवलिंग की कतार होगी। बगल में शिव परिवार और स्फटिक मणि का द्वादश ज्योतिर्लिंग दरबार तन-मन को शिवमय करेगा। परिक्रमा पथ पर अगले हिस्से में सूर्यदेव व काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव, पिछले हिस्से में एक ओर गणपति देव तो दूसरी तरफ मां दुर्गा अभयदान मुद्रा में कृपा बरसाएंगी। राम दरबार के बगल में ही मां अन्नपूर्णेश्वरी काशीवासियों के भरण-पोषण के लिए बाबा भोले शंकर को भिक्षादान के विधान निभाएंगी।

तंत्र मंत्र का भी जतन : अनूठे देवालय संकुल में दस महाविद्याएं यानी तंत्र साधना की दस देवियां भी पूरी दिव्यता के साथ भय-बाधाओं से मुक्ति का आशीष बरसाएंगी। इनमें भगवती काली, तारा, श्रीविद्या, भुवनेश्वरी, त्रिपुर भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी व कमला का दरबार सजेगा। इस लिहाज से भी यह मंदिर को अनूठा बनाएगा।

वाराणसी के धर्म संघ शिक्षा मंडल परिसर में ऐसा होगा श्रीराम मंदिर का स्वरूप। फोटो : धर्म संघ शिक्षा मंडल

मणि मंदिर

धर्म संघ परिसर में करपात्री महाराज ने 1940 में श्रीराम दरबार की स्थापना की थी। शिलान्यास समारोह में चारों शंकराचार्य के साथ ही तत्कालीन काशीराज महाराज विभूति नारायण सिंह ने भी भागीदारी की थी। धर्म सम्राट के शिष्य व धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकर देव चैतन्य ब्रह्मचारी ने तीन साल पहले मंदिर को भव्य-दिव्य स्वरूप देने का संकल्प लेते हुए कार्य शुरू कराया। चुनार व जोधपुर के लाल पत्थरों से इसका निर्माण कराया तो भीतर की दीवारों को श्वेत संगमरमर और फर्श ग्रेनाइट से सजाया जा रहा है। धर्म संघ सचिव जगजीतन पांडेय के अनुसार शिवलिंगों में स्फटिक मणि के प्रयोग के कारण 11 शिखरों से युक्त देवालय संकुल को मणि मंदिर नाम दिया गया है।

भगवान राम से जुड़े 41 स्थलों की नेटवर्किंग से खुलेगा नया द्वार

नवनीत श्रीवास्तव, अयोध्या

भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या से उनकी ससुराल एवं माता जानकी के जन्मस्थान जनकपुर के बीच पड़ने वाले स्थलों की नेटवर्किंग सिर्फ अयोध्या ही नहीं, मार्ग में पड़ने वाले जिलों में पर्यटन का नया द्वार खोल सकती है। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिनी अवध-मिथिला सम्मेलन में भगवान राम की जनकपुर यात्रा पर विवेचन हुआ, जिसमें यह तथ्य रखा गया कि यदि यात्रा में पड़ने वाले स्थानों की नेटवर्किंग की जाए तो यह पर्यटन के लिहाज से बेहद अहम होगा।

सम्मेलन के पहले दिन अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित व अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक डॉ. वाइपी सिंह ने इस विषय को रखा। भगवान राम की जनकपुर यात्रा मार्ग पर 41 ऐसे स्थल हैं, जिन्हें पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। ये स्थल यूपी, बिहार और नेपाल के 16 जिलों में स्थित हैं। इममें यूपी में अयोध्या, बस्ती, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, बिहार में बक्सर, पटना, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी और नेपाल में जनकपुर व धनुषा जिला पड़ता है। इनमें बक्सर में पड़ने वाला रामेश्वरमनाथ मंदिर, रामरेखा घाट, विश्वामित्र आश्रम, अहिल्या आश्रम, मधुबनी जिले का गिरिजा मंदिर, नेपाल के जनकपुर में रंगभूमि व धनुषा में धनुष मंदिर प्रमुख स्थान हैं। अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक डॉ. वाईपी सिंह कहते हैं कि मार्ग के बनने से ये स्थल आसानी से पर्यटन स्थल के रूप विकसित हो सकेंगे।

बननी चाहिए ऑल वेदर रोड : प्रो. मनोज दीक्षित ने यह तथ्य साझा किया था कि अयोध्या आने वाले पर्यटकों में मिथिलांचल के लोगों की संख्या बेहद कम है। इन स्थलों की नेटवर्किंग के लिए ऑल वेदर रोड की जरूरत हैं। यह मार्ग पर्यटन की संभावनाओं से भरा पड़ा है। यदि ऑल वेदर रोड बनी तो पर्यटन का नया द्वार खुलेगा।